हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

नंबरदार एसोसएशिन का पुर्नगठन 8 को

बहादुरगढ़। शनिवार को बहादुरगढ़ क्षेत्र के नंबरदारों की मीटिंग पूर्व मंत्री मांगेराम नंबरदार के पुत्र शतीश नंबरदार के कार्यालय पर हुई। मीटिंग में 8 मार्च को नई कार्यकारिणी बनाने के लिए होने वाली बैठक को लेकर विचार विमर्श किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता राज सिंह नंबरदार ने की।

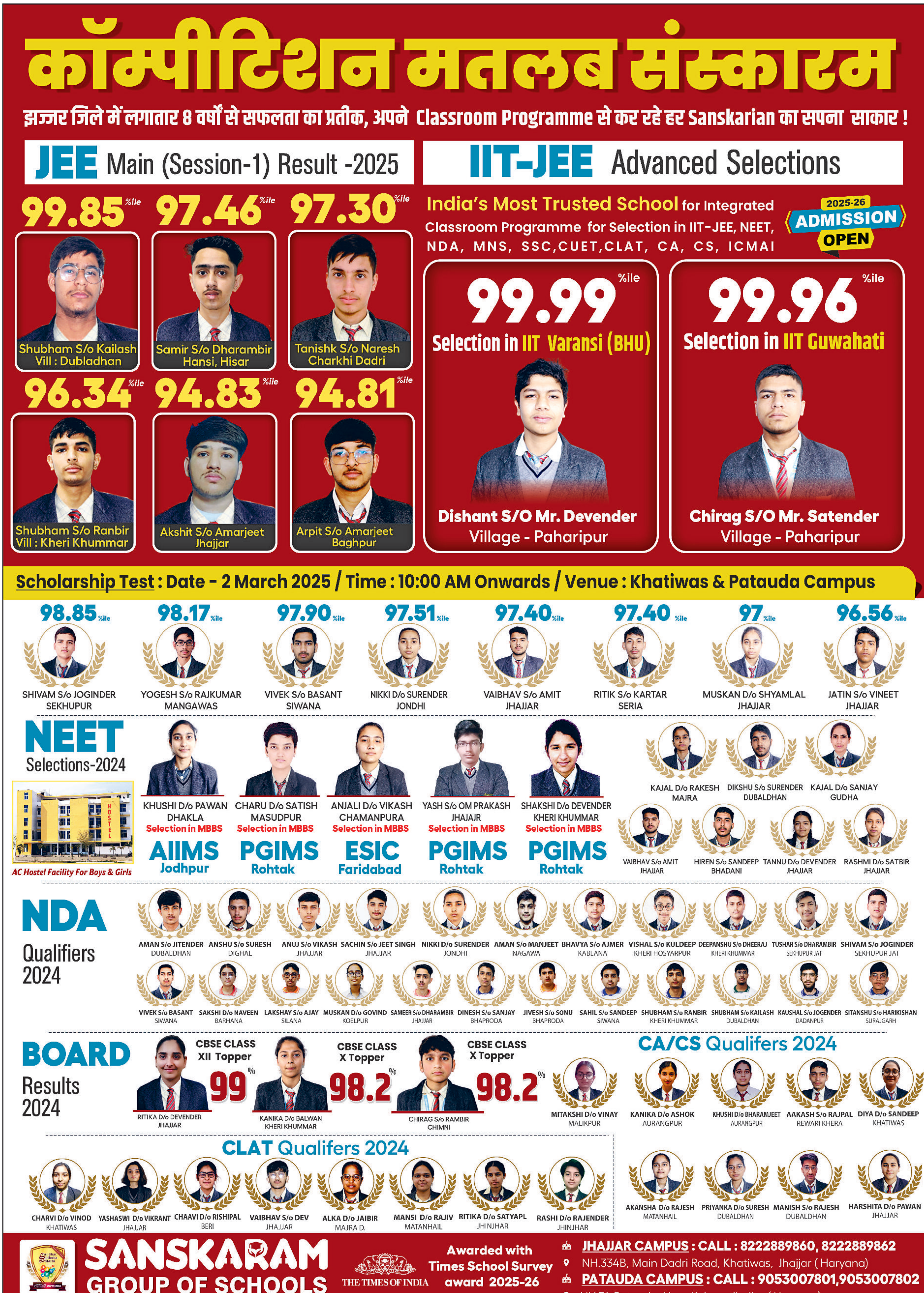

खबर संक्षेप

झज्जर। विद्यार्थियों द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्राचार्य।

शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी रितिका प्रथम

झज्जर। राजकीय प्राथमिक विद्यालय तुम्बाहेड़ी में शनिवार को व्यर्थ सामान का प्रयोग करके बनाई गई अधिगम शिक्षण सामग्री की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्राथमिक शिक्षक अशोक कुमार ढोरिया ने बताया कि प्रदर्शनी में पहली से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अनेक शिक्षाप्रद मॉडल बनाते हुए अपनी प्रतिभा दिखाई। विद्यालय प्राचार्य संजीव कुमार खत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए बेहतर मॉडलों की सराहना की। प्रतियोगिता परिणामों में पांचवीं कक्षा की रितिका को प्रथम, तीसरी कक्षा के ऋषि वत्स को द्वितीय तथा ऊषा व वर्षा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की निंदा

बहादुरगढ़। बिजली उपभोक्ता मंच की बहादुरगढ़ यूनिट के अध्यक्ष कामरेड रामकिशन ने हरियाणा सरकार द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के घरों पर डिजिटल मीटर की जगह प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने के फैसले की कड़ी निंदा की। साथ ही इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की।कामरेड रामकिशन ने के अनुसार भाजपा सरकार द्वारा निजी कंपनियों की मांग पर जारी आरडीएसएस स्कीम के तहत सारे देश में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। बिजली वितरण प्रणाली को निजी कंपनियों के हवाले करने की तैयारी में यह जन विरोधी कदम उठाया गया है।

फसल खराबे का मिले 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजा

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूपसिंह मातनहेल तथा सचिव जयकरण मांडौठी ने तेज हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों की विशेष गिरदावरी करवाकर क्षतिपूर्ति देने की मांग की है। किसान नेताओं ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि ओलावृष्टि से किसानों की बर्बाद हुई फसलों की तुरंत गिरदावरी करवाई जाए। ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसलों का न्यूनतम 50 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाए।

राष्ट्रीय पक्षी मोर को पैर बांध कर उल्टा लटकाया

झज्जर। गांव सुर्खपुर में जब ग्रामीणों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर को पेड़ से लटका देखा तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। बाद में ग्रामीणों द्वारा मोर को पेड़ से नीचे उतारा गया। शरारती तत्वों द्वारा मोर के दोनों पांव बांधे कर पेड़ पर लटकाया गया था। बाद में घायल मोर को ग्रामीणों द्वारा पुलिस व संबंधित विभाग के कर्मचारियों के हवाले कर दिया। घटना को लेकर जहां ग्रामीणों में रोष दिखाई दिया वहीं ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

झज्जर। शहर की रहणिया कालोनी में लोगों की स्वास्थ्य जांच करते हुए टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 307 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक सौ दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के अंतर्गत शहर की रहणिया कालोनी व क्षेत्र के गांव धारौली में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। निक्षय जांच टीम द्वारा इस दौरान जहां 307 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की वहीं 55 लोगों के टीबी जांच के लिए बलगम सैंपल भी लिए। इस दौरान टीबी मरीजों को दवाइयां एवं निक्षय पोषण किट उपलब्ध कराई गई। टीम सदस्यों द्वारा कैंप में आए लोगों को टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए जागरुक किया गया। उन्होंने बताया कि रात में पसीना आना, लगातार बुखार आना, वजन का कम होना।

जिले में नौ फ्लाइंग स्क्वायड टीमें सक्रिय

एसडीएम ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न कराने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड टीमों द्वारा परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। डीसी प्रदीप दहिया ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षाओं को सुचारू और नकल रहित संपन्न करवाने के लिए शिक्षा विभाग के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। जिले में स्थापित 10वीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बादली, बहादुरगढ़ व झज्जर एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों का विशेष तौर पर निरीक्षण कर रहे हैं। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी और उनके अधीनस्थ अधिकारी भी फ्लाइंग स्क्वायड टीमों के साथ परीक्षा केंद्रों का नियमित दौरा कर रहे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे।

नकल रहित परीक्षाओं को संपन्न करवाने के लिए जिले में नौ फ्लाइंग स्क्वायड टीमें सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इनमें चार टीमें एसडीएम, एक डीईओ और चार टीमें हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से तैनात की गई हैं। ये टीमें लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रही हैं और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई कर रही हैं।

झज्जर। परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करते हुए एसडीएम सतीश यादव।

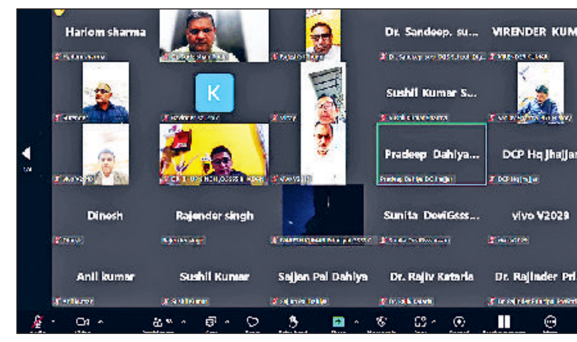
झज्जर। ऑनलाइन मीटिंग में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी प्रदीप दहिया।

राजकीय हाई स्कूल गांगटान के परीक्षा केंद्र को किया शिफ्ट

झज्जर। राजकीय हाई स्कूल गांगटान परीक्षा केंद्र को सोमवार की परीक्षा संचालित होने उपरांत राजकीय मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल बेरी-3 ब्लॉक 1 में शिफ्ट करने के आदेश हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड सचिव द्वारा जारी किए गए हैं। दिए गए आदेशों में लिखा है कि राजकीय हाई स्कूल गांगटान पर नियुक्त केंद्र अधीक्षक, उपकेंद्र अधीक्षक व पर्यवेक्षक आगामी पांच मार्च को नए परीक्षा केंद्र में ड्यूटी देंगे। लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजकीय मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल बेरी द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। जारी आदेशों में कहा गया है जो परीक्षार्थी राजकीय हाई स्कूल गांगटान में परीक्षा दे रहे हैं उन सभी परीक्षार्थियों को तीन मार्च की परीक्षा दौरान नोट कराते हुए अपने स्तर पर परीक्षा केंद्र परिवर्तन की सूचना देना सुनिश्चित किया जाए। यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित रहता है तो इसके लिए संबंधित केंद्र के अधिकारी जिम्मेवार होंगे।

परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : डीसी

झज्जर। शनिवार को डीसी प्रदीप दहिया एवं डीसीपी मुख्यालय दीपक सहारण की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित की जा रही परीक्षा के लिए नियुक्त सभी केंद्र अधीक्षकों एवं मुख्य अधीक्षकों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए डीसी प्रदीप दहिया ने परीक्षा को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर पूर्ण रूप से चारदीवारी होनी चाहिए। यदि किसी विद्यालय में चारदीवारी टूटी हुई है, तो वहां उचित बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डीसीपी मुख्यालय दीपक सहारण ने कहा कि यदि कोई कर्मचारी परीक्षा के दौरान नकल या अन्य अनुचित साधनों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले के सभी 57 परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि परीक्षाएं सुचारू रूप से और निष्पक्षता के साथ संपन्न हो सकें।

बहादुरगढ़। झाड़ोदा कलां में हुई बैठक में चर्चा करते रिटायर्ड योद्धा। फोटो : हरिभूमि

सीआरपीएफ में हुई वेटरन बैठक में की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

झाड़ोदा कलां स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप केंद्र में सेवानिवृत्त अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, कार्मिकों के लिए कल्याण एवं पुर्नवास बोर्ड एवं वेटरन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उप महानिरीक्षक विनय कुमार सिंह ने मुख्यअतिथि एचआर सिंह समेत 135 रिटायर्ड योद्धाओं का स्वागत किया।

विनय कुमार सिंह ने सभी को आश्वस्त किया कि रिटायर्ड यौद्धाओं के लिए सभी कल्याणकारी योजनाओं को उन तक पहुंचाने और हर कठिनाई में यथासंभव सहायता दी जाएगी। एचआर सिंह ने हर तिमाही में इसी तरह के आयोजन करने की बात कही। बैठक में सशस्त्र बलों की तरह अर्धसैनिक बलों में भी पेंशन लागू करने, सशस्त्र बलों की तरह रिटायर्ड कार्मिकों के लिए भूतपूर्व की जगह रिटायर्ड रैंक से पहले लिखा जाने, बल में सेवारत प्रत्येक कार्मिकों को 3 महीने के अंदर अवकाश पर भेजने, 30 जून को रिटायर होने वालों के लिए एक वार्षिक वेतन वृद्धि मिलने, जिला स्तर पर चिकित्सा सुविधा देने आदि विषयों पर विमर्श हुआ। बैठक में चर्चा के उपरांत रिटायर्ड 135 यौद्धाओं को डीआईजी द्वारा सम्मानित किया गया।

पीरागढ़ी चौक पर अंडरपास का काम होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता से मुलाकात कर पीरागड़ी चौक का अंडरपास बनाने के लिए बजट मंजूर करने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही जनहित की कई वर्षो से लंबित पड़ी समस्याओं का समाधान होना शुरू हो गया है। पीरागड़ी चौक पर लगातार जाम के कारण बहादुरगढ़ वासी भी परेशान हैं। अब दिल्ली सरकार से यहां अंडरपास बनाने का बजट स्वीकृत कर टेंडर भी लगा दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां जल्द कार्य शुरू होगा। यह अंडरपास बनने से सबसे ज्यादा लाभ हरियाणा प्रदेश के लोगों को होगा। उन्होंने दिल्ली की सीएम से हरियाणा को जोड़ने वाले सभी रास्ते जल्द बनवाने की मांग दोहराई। इस अवसर पर सूरज सैनी, राजपाल सैनी, अनिल सैनी, पुनीत व जीवन आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का आभार जताते जसबीर सैनी।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों के साथ चर्चा करते एसीपी राजेंद्र सिंह।

ग्रामीणों को नशे से दूर रहने को प्रेरित किया

बहादुरगढ़। हरियाणा पुलिस की ओर से नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत गांव, गांव जाकर लोगों को नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में शनिवार को खेड़ी जसोर में कार्यक्रम किया गया।

गांव में पहुंचने पर लोगों द्वारा एसीपी राजेंद्र सिंह का स्वागत किया गया। इस मौके पर एसीपी राजेंद्र सिंह ने कहा कि नशा शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से हमें नुकसान पहुंचाता है। एक व्यक्ति के नशे की लत, उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। अपराधों की भी एक बड़ी वजह नशा ही है। नौजवान शौक-शौक में इस लत को पाल लेते हैं और फिर इस लत को पूरा करने के लिए अपराध करने में भी नहीं चूंकते। इसलिए नशे से दूर रहें और अपने आसपास लोगों पर नजर रखें। अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचाना समाज का भी दायित्व है। किरायेदारों की वेरिफिकेशन जरूर कराएं। कार्यक्रम में लोगों को साइबर अपराध के प्रति भी जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि फोन पर किसी को ओटीपी या खाते संबंधित जानकारी न दें।

महासचिव ने दी विजेता पहलवानों को बधाई

बहादुरगढ़। जींद के बुवाना में आयोजित हरियाणा स्टेट सीनियर फेडरेशन कप रेसलिंग प्रतियोगिता के दौरान महिला वर्ग, पुरुष फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन शैलियों में विभिन्न भारवर्ग के मुकाबले हुए। रेसलिंग हरियाणा एसोसिएशन के महासचिव डॉ. राकेश सिंह कोच ने सभी विजेता पहलवानों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य आयोजक संजय मलिक ने बताया कि फ्री स्टाइल के 57 किलोग्रामा भारवर्ग में सुमित मलिक (सोनीपत), 61 किलो में उदित (सोनीपत), 65 किलो में सुरजीत (चरखी दादरी), 70 किलो में विशाल काली रावण हिसार, 74 किलो में विकास (झज्जर), 79 किलो में सुरजीत (सोनीपत), 86 किलो में सागर (पानीपत), 92 किलो में आर्यन (सोनीपत), 97 किलो में साहिल जगलान (पानीपत) और 125 किलोग्राम में अनिरुद्ध (सोनीपत) ने जीत हासिल की। ग्रीको रोमन के 55 किलोग्राम भारवर्ग में अनिल मोर (हिसार), 60 किलो में सूरज (रोहतक), 63 किलो में गौरव (सोनीपत), 67 किलो में संदीप (हिसार), 72 किलो में कुलदीप (हिसार), 77 किलो में अमन (सोनीपत), 82 किलो में प्रिंस (रोहतक), 87 किलो में सोनू (पानीपत), 97 किलो में नितिश (पानीपत) और 130 किलो में संजीत (रोहतक) ने कुश्ती जीती। महिला फ्री स्टाइल के 50 किलो में अंकुश (हिसार), 53 किलो में अंतिम (हिसार), 55 किलो में नीशू (जींद), 57 किलो में पुष्पा (भिवानी), 59 किलो में मुस्कान (रोहतक), 62 किलो में मानसी (रोहतक), 65 किलो में मुस्कान (रोहतक), 68 किलो में मानसी लाठर, 72 किलो में हरिंशीता (हिसार) और 76 किलोग्राम भारवर्ग में सिमरन (रोहतक) ने विजय हासिल की।

छोटूराम नगर में निर्माणाधीन नाले का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने अधिकारी व पार्षदों के साथ शनिवार को छोटूराम नगर में बन रहे नाले के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाले में प्रयोग हो रहे सरिया व निर्माण सामग्री का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि इस नाले के निर्माण में लगने वाले सरिया व निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। नाला निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद पार्षद अशोक शर्मा व पार्षद प्रतिनिधि हरिमोहन धाकरे समेत सभी लोगों से नाले के निर्माण पर नजर रखने का आह्वान किया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, रमेश राठी, पार्षद राजेश मकडोली, जेई संदीप भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में बन रहे नाले का निरीक्षण करती चेयरपर्सन सरोज राठी। फोटो : हरिभूमि

पहले दिन 2 घंटे 16 मिनट की देरी से आई विशेष गाड़ी

बहादुरगढ़। खाटू श्याम मेले के लिए रेलवे की ओर से विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाई गई है। शकूरबस्ती से जयपुर रूट पर इस ट्रेन की शनिवार को शुरुआत हो गई। बहादुरगढ़ में भी इस गाड़ी का ठहराव है। यहां के लोगों को भी इसका लाभ होगा। ये लोग ट्रेन के जरिये सीधे यहां से खाटूश्याम जा सकेंगे। लेकिन बहादुरगढ़ में पहले ही दिन यह ट्रेन दो घंटे 16 मिनट की देरी से पहुंची। दिल्ली रोहतक दैनिक रेल यात्री समिति के प्रवक्ता सतपाल हाडा ने बताया कि आगामी 15 मार्च तक इस विशेष गाड़ी का परिचालन जारी रहेगा। यह गाड़ी सुबह सात बजे जयपुर से प्रस्थान कर एक बजकर 36 मिनट पर बहादुरगढ़ और दोपहर ढाई बजे शकूर बस्ती स्टेशन पहुंचेगी। वहीं वापसी में शकूर बस्ती से तीन बजकर 50 मिनट पर प्रस्थान कर बहादुरगढ़ स्टेशन पर चार बजकर 10 मिनट पर पहुंचेगी और रात दस बजकर 50 मिनट पर खाटूश्याम पहुंचेगी। पहले ही दिन यह गाड़ी दो घण्टे 16 मिनट की देरी से बहादुरगढ़ स्टेशन पर आई। हाड़ा ने कहा कि फिलहाल 15 दिन के लिए गाड़ी चली है। समिति इस गाड़ी को नियमित रूप से चलाने की मांग को लेकर रेलवे को मांगपत्र देगी।

- खाटूश्याम मेले के लिए जयपुर-शकूरबस्ती रूट पर चलाई गई है एक्सप्रेस ट्रेन

पिता का परिचित बनकर युवती से हजारों ठगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव सांखोल की निवासी एक युवती के साथ ठगी की वारदात हो गई। एक शातिर ने उसके पिता का परिचित बनकर फोन पर बात की और हजारों की चपत लगा दी। पीड़िता की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। युवती का कहना है कि अभी कुछ दिन पहले उसके पास एक कॉल आई। कॉलर ने कहा कि मैं आपके पिता के आफिस से बात कर रहा हूं। मुझे आपके पापा के पैसे देने हैं। ये आपका पेटीएम नंबर है, मैंने हां कर दी। उसने दो बार करके 40 रुपये भेजे। फिर मुझसे वापस भी मंगवा लिए। इसके बाद उसने रुपये संबंधित तीन मैसेज भेजे और पुनः वापस मांगे। मेरे खाते से 53 हजार 400 रुपये की निकासी हो गई।

टास्क के नाम पर चपत लगाई

बहादुरगढ़। बीएससी के एक छात्र के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिरों ने टास्क के नाम पर उससे रुपये ठग लिए। वारदात अजय के साथ हुई है। अजय का कहना है कि गत 31 जनवरी को टेलीग्राम पर मेरे पास पार्ट टाइम जॉब संबंधित मैसेज आया। मैंने हां कर दी। फिर शातिर ने मुझे गूगल मैप पर रिव्यू करने के टास्क दिए। टास्क पूरे करने के बाद मुझसे 999 रुपये मांगे गए और कहा गया कि इसके बाद ही आपकी सेलरी आएगी। वे रुपये भेजने के बाद बोले कि एरर आ गया है। फिर रिपेयर के नाम पर तीन हजार मंगवाए। इसके बाद 9 हजार रुपये मंगवाए। इसके बाद मुझे उनके मंसूबें समझ में आए। अपने स्तर पर रुपये वापस लेने के प्रयास किए लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इस शिकायत पर सदर थाने में केस दर्ज हुआ है।

क्रेडिट कार्ड से निकाले पांच लाख 12 हजार

बहादुरगढ़। शहर के निवासी दो लोगों के क्रेडिट कार्ड से पांच लाख 12 हजार रुपये कट गए। एक व्यक्ति को वेरिफिकेशन के नाम पर ठगा गया तो दूसरे के खाते से किसी ने शापिंग कर ली। शिकायतों के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मोहम्मद सज्जाद हुसैन ने कहा है कि कुछ दिन पहले एक अंजान नंबर से मेरे पास व्हाट्सएप कॉल आई। कॉलर ने मुझसे कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की वेरिफिकेशन करनी है। उसने पेन, आधार नंबर आदि डिटेल ली। फिर अपने आप ही एक नंबर कॉल फारवर्डिंग पर सेट हो गया। जिस कारण मेरे क्रेडिट कार्ड से तीन बार में तीन लाख 89 हजार 305 रुपये की निकासी हो गई। फिर साइबर सैल में शिकायत दी। वहीं दूसरी वारदात नवीन के साथ हुई है। नवीन का कहना है कि मेरे पास एक क्रेडिट कार्ड है। गत 21 फरवरी को किसी अंजान ने किसी ने मेरे क्रेडिट कार्ड से एक लाख 22 हजार 999 रुपये की शापिंग कर ली। जब फोन पर मैसेज आए तो मुझे इस वारदात का पता चला।

फोन-पे पर आई पैसे भेजने की रिक्वेस्ट खोलने के बाद खाते से कट गए 95 हजार रुपये: झज्जर। क्षेत्र के गांव डीघल में एक युवक के साथ धोखाधड़ी के जरिए खाते से 95 हजार रुपये ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि उसके पास बीती दस फरवरी को किसी व्यक्ति ने रुपये देने की बात करते हुए उससे फोन-पे नंबर मांगा। जब उसके पास पैसे भेजने संबंधी रिक्वेस्ट आई तो उसे खोलने के बाद उसके खाते से 95 हजार रुपये कट गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी करके खाते से निकाले पचास हजार रुपये

झज्जर। शहर की किला कॉलोनी निवासी एक परचून की दुकान संचालक के खाते से धोखाधड़ी से पचास हजार रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में परचून विक्रेता ने बताया कि बीती बीस जनवरी की सुबह करीब पौने ग्यारह बजे उसके मोबाइल पर खाते से पचास रुपये कटने का मैसेज आया। इसके बाद उसने 22 जनवरी को साइबर पोर्टल पर अपनी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसान क्रेडिट कार्ड वेरिफाई करने के नाम पर ठगी: झज्जर। सासरौली गांव में एक किसान के साथ किसान क्रेडिट कार्ड खाता वेरिफाई करने के नाम पर ठगी की गई है। पुलिस को बताया कि उसके पास बीती सात जनवरी को व्हाट्स कॉल से एक व्यक्ति ने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड खाता बंद होने की बात करते हुए वेरिफाई करने का झांसा देते हुए एक लिंक भेजकर ओक करने की बात कही। जब लिंक पर ओके किया तो खाते से 14 जनवरी को 49 हजार व दस हजार तथा एक अन्य खाते से दो बार पांच-पांच हजार रुपये कट गए।

खेलकूद 11वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता में कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर व राष्ट्रगान से हुई

वैश्य बीएड कॉलेज की ज्योति को बेस्ट एथलीट से नवाजा

- एमडीयू की डिप्टी खेल निदेशक शकुंतला ने प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शनिवार को 11वीं वार्षिक खेल प्रतियोगिता हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एमडीयू की डिप्टी खेल निदेशक शकुंतला बेनीवाल ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। ज्योति को उनके प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर व राष्ट्रगान से हुई।

तीनों सदनों के समूह द्वारा मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी गई। शांति और दोस्ती का संदेश फैलाने के लिए मशाल जलाई गई। शांति, सौहार्द, स्वतंत्रता के प्रतीक सफेद कबूतर छोड़े गए। शकुंतला बेनीवाल ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, टीम वर्क और जीतने की भावना सिखाते हैं। उन्होंने भावीअध्यापिकाओं को खेलों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बधाई दी व प्रोत्साहित किया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी महत्व दिया जाता है।

हमारा उद्देश्य छात्राओं को शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना है। कॉलेज प्रधान सतनारायण अग्रवाल, जनरल सेक्रेटरी सुरेश कुमार अग्रवाल व कोषाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया।

बहादुरगढ़। खेलकूद प्रतियोगिता में लंबी कूद लगाती एक छात्रा।

बहादुरगढ़। विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते अतिथि व आयोजक।

200 मीटर दौड़ में अस्तुति प्रथम रही

सौ मीटर दौड़ में ज्योति प्रथम, अस्तुति द्वितीय व अंकिता तृतीय रही। वहीं 200 मीटर दौड़ में अस्तुति प्रथम, ज्योति द्वितीय व दिव्या तृतीय रही। चार सौ मीटर दौड़ में अंकिता प्रथम, अस्तुति द्वितीय व अनुष्का शर्मा तृतीय रही। जबकि 800 मीटर दौड़ में अंकिता प्रथम, दिव्या द्वितीय व अनुष्का शर्मा तृतीय रही।

चार गुणा 100 रिले दौड़ में दीपा, साक्षी, ज्योति, तनु की टीम प्रथम रही। शॉट पुट में अस्तुति प्रथम, अंकिता द्वितीय व दीपा तृतीय रही। चक्का फेंक में अस्तुति प्रथम, दिशा द्वितीय व हर्षिता तृतीय रही। भाला फेंक में अमोदिनी भटनागर प्रथम, अस्तुति द्वितीय व प्रिया सोनी तृतीय रही। लंबी कूद में राधिका प्रथम, अन्नू द्वितीय व ज्योति व रितिका तृतीय रही। रस्सी कूद में अनुष्का शर्मा प्रथम, अमोदिनी द्वितीय व दीपिका वत्स तृतीय रही। रस्सी दौड़ में ज्योति प्रथम, अनुष्का शर्मा द्वितीय व रितिका तृतीय रही। नींबू दौड़ में हर्षिता प्रथम, तमन्ना द्वितीय व मुस्कान तृतीय रही। मटकी दौड़ में दीपा प्रथम, प्रीति द्वितीय व अंजू तृतीय रही।

थ्री लैग रेस में साक्षी, ज्योति व अनुष्का, दिव्या प्रथम रही। बोरी दौड़ में जयोति प्रथम, अंकिता द्वितीय व राधिका तृतीय स्थान पर रही। सभी विजेताओं को अतिथियों ने मेडल व प्रमाण पत्र दिए। सुनीता रानी ने सफल आयोजन के लिए धन्यवाद किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अर्जुन दास (पुत्र), जगदीश चन्द (पुत्र), महेन्द्र कुमार (पुत्र), राजेन्द्र पाल (पुत्र), कैलाश (पुत्री), रमेश कुमारी (पुत्री) स्व. जीवनदास / कविता (पोती), सुरेन्द्र (पौत्र)- हरीश (पौत्र) स्व. सुन्दरलाल निवासी किला मौहल्ला बहादुरगढ़ द्वारा ऑनलाइन एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी आईडी नम्बर 3BYBB575 वार्ड नम्बर 15/935 कॉलोनी किला मौहल्ला जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ मे नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 223.17 से 190 वर्ग गज करवाने हेतू ऑनलाइन एप्लीकेशन नम्बर 0185548950 द्वारा अप्लाई किया है।
अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपति नम्बर 3BYBB575 वार्ड नम्बर 15/935 कॉलोनी किला मौहल्ला पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त संपति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सुबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर-अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह संपत्ति नम्बर 3BYBB575 वर्ग गज उपरोक्त प्रार्थी के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 2 मार्च 2025

जसौरखेड़ी कॉलेज में एनएसएस कैंप शुरू

बहादुरगढ़। जसौरखेड़ी के राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को 7 दिवसीय एनएसएस कैंप शुरु हुआ। सत्र में आइस ब्रेकिंग सेशन में छात्राओं ने अपना परिचय दिया। कैंप की शुरुआत महाविद्यालय प्रभारी संदीप किराड ने की। छात्राओं को नोटपैड व पैन वितरित किए।

खबर संक्षेप

नकदी से भरा बैग चोरी करने का आरोप

झज्जर। क्षेत्र के गांव सिलाना के मंदिर में रहने वाले एक दिव्यांग के साथ लूटपाट करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में वेदप्रकाश ने बताया कि वह शारीरिक रूप से दिव्यांग है। बीती 26 फरवरी की अलसुबह करीब चार बजे जब वह वॉशरूम गया हुआ था तो उसे दरवाजा खुलने की आवाज सुनाई दी। जब वह वापिस आया था श्याम व अजय नामक व्यक्ति उसे धक्का देते हुए जमीन पर गिराकर भाग गए। जब उसने अंदर जाकर देखा तो उसके आवश्यक दस्तावेजों से भरा काले रंग का बैग गायब था। बैग में उसके दस्तावेजों के अलावा करीब 25 रुपये की नकदी, चांदी के सिक्के व मोबाइल भी था।

दुकान में चोरी के आरोपी जेल भेजे

बहादुरगढ़। आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित मोबाइल शॉप में हुई चोरी की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चोरों से चोरी शुदा सामान भी बरामद किया गया है। चंद दिनों पहले छोटूराम नगर के निवासी विकास की दुकान में यह वारदात हुई थी। एमआईई चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। इनकी पहचान गौरव निवासी लाइनपार, सावन निवासी सोनीपत व अंशु निवासी रेलवे रोड बहादुरगढ़ के रूप में हुई है। आरोपियों से चोरी किया गया लेपटॉप, चार्जर, हार्ड डिस्क, 29 फोन बैटरी, ग्लास गार्ड के आठ डिब्बे, 17 फोन, पेचकस, हथौड़ी, पाना और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद हुई। अंशु को जेल भेज दिया है। गौरव व सावन एक दिन के रिमांड पर लिए गए हैं।

एसीपी दिनेश कुमार के नेतृत्व में जिला पुलिस ने की कार्रवाई

बेरी नपा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए निकाला फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बेरी नपा चुनाव को लेकर जिला पुलिस हाई अलर्ट पर है। चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए जिला पुलिस द्वारा शनिवार को एसीपी दिनेश कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला। डीसीपी लोगेश कुमार ने बताया कि बेरी नगरपालिका चुनाव को शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस टीम ने शिव चौक, दुजाना चौक, मेन बाजार, मंदिर वाली गली, माता चौक और बस स्टैंड बेरी में फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। पुलिस द्वारा सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। वहीं खुफिया विभाग द्वारा भी संदिग्ध किस्म के लोगों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य अराजक तत्वों में भय व्याप्त करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना है ताकि वे निर्भीक होकर अपना मतदान कर सके। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव में भाग लें।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, तीन एसीपी सहित 340 पुलिसकर्मी तैनात

झज्जर। रविवार को बेरी में होने वाले नगर पालिका चुनाव को लेकर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए है। डीसीपी लोगेश कुमार ने बताया बेरी में होने वाले नगर पालिका चुनाव को लेकर तीन एसीपी व तीन इंस्पेक्टर सहित 340 पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है। सभी एसीपी और इंस्पेक्टर समय-समय पर मतदान केन्द्रों का दौरा करेंगे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन रिजर्व पुलिस बल तैनात रहेंगे। वहीं बेरी क्षेत्र में 13 नाके लगाए गए हैं। नाकों पर तैनात पुलिस टीम द्वारा प्रत्येक संदिग्ध वाहन और संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली जा रही है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों के आसपास भीड़ एकत्रित न होने दे, मतदान केन्द्र के अंदर कोई भी व्यक्ति मोबाइल व अन्य प्रतिबंधित वस्तु न ले जाने पाए, चुनाव प्रक्रिया में विघ्न डालने वालों व आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही करें। इसके अलावा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी सूचना के संबंध में संबंधित थाना प्रभारी व उच्चाधिकारी को तत्काल सूचित किया जाए।

लोगेश कुमार डीसीपी झज्जर।

बेरी में नगरपालिका अध्यक्ष और पार्षद पदों के लिए मतदान आज, तैयारियां पूरी

झज्जर। मतदान केंद्रों के लिए रवाना होती पोलिंग पार्टियां

झज्जर। रविवार को बेरी में होने वाले अध्यक्ष और पार्षद पद के चुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियां पूरे उत्साह के साथ पोलिंग स्टेशनों के लिए रवाना हुई। नपा चुनाव बेरी के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक डॉक्टर सतेंद्र दूहन और पुलिस पर्यवेक्षक विजय सिंह ने अधिकारियों के साथ बेरी में विद्यालय परिसर का दौरा किया और सभी पोलिंग पार्टियों और पुलिस बल को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए। वहीं रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रेणुका नांदल ने पोलिंग अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। उन्होंने कहा कि पोलिंग स्टेशन के 100 मीटर की सीमा के अंदर केवल मतदाता या फिर चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारी ही रहेंगे, इसके अलावा कोई व्यक्ति 100 मीटर की परिधि में नहीं रहेगा। सुबह 8 बजे से ईवीएम के जरिये मतदान प्रारम्भ होगा और शाम 6 बजे तक नपा के सभी 14 बूथों पर संबंधित वार्ड के मतदाता चिन्हित बूथ पर मत डाल सकेंगे। पालिका अध्यक्ष और पार्षद पद के वोट के लिए अलग अलग ईवीएम रहेगी।

इन स्थानों पर बनाएं

रिटर्निंग अधिकारी रेणुका नांदल ने बताया डीएवी पब्लिक स्कूल बेरी में वार्ड नंबर 1, 3 व वार्ड नंबर 14 के मतदाताओं के लिए पोलिंग बूथ बनाया गया है। वहीं राजकीय प्राथमिक स्कूल बेरी- एक में वार्ड नंबर 2 और वार्ड नंबर 9 के लिए, बेरी -डीघल रोड स्थित जाट धर्मशाला पाना चुल्याण में वार्ड नंबर 4 व 5 , बेरी बस स्टैंड के समीप राजकीय प्राथमिक स्कूल - दो में वार्ड नंबर 6, 7 व 8 के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है। बेरी नगर पालिका कार्यालय में वार्ड नंबर 10 तथा बेरी की पुरानी गौशाला के समीप राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्ड नंबर 11, 12 व 13 के लिए पोलिंग बूथ बनाए गए हैं।

झज्जर। मतदान केंद्रों का जायजा लेते व बूथों पर पोलिंग पार्टियों को निर्देश देतेह हुए रिटर्निंग अधिकारी रेणुका नांदल।

14 वार्डों में कुल 13 हजार 867 पंजीकृत मतदाता: रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रेणुका ने बताया कि बेरी नपा के 14 वार्डों में कुल 13 हजार 867 पंजीकृत मतदाता हैं। जिसमें 7284 पुरुष और 6583 महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड एक में 854 मतदाता, वार्ड दो में 793,वार्ड तीन में 957,वार्ड चार में 1121,वार्ड पांच में 901 वोटर पंजीकृत हैं। इसी प्रकार वार्ड छह में 1295,वार्ड सात में 960,वार्ड आठ में 993,वार्ड नो में1154 और वार्ड दस में 1006 मतदाता रजिस्ट्रर्ड हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड संख्या 11 में 1035,वार्ड 12 में 953,वार्ड 13 में 884 और वार्ड 14 में 961 मतदाता शामिल हैं,जोकि रविवार को होने वाले चुनाव में मतदान करेंगे।

तेज रफ्तार गाड़ी ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर, पीजीआई में मौत

झज्जर। गांव दुजाना में घर से कूड़ा डालने के लिए बाहर निकली बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी। बुजुर्ग महिला ने उपचार के दौरान रोहतक पीजीआई में दम तोड़ दिया। दुजाना निवासी प्रीतम ने बताया कि उसके नाना के देहांत के बाद नानी अंगूरी उन्हीं के पास रहती थी। शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे जब उसकी नानी गली से होते हुए कूड़ा डालने के लिए जा रही थी उसे एक तेज वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस को दी शिकायत में प्रीतम ने आरोपी गाड़ी चालक को नामजद भी किया है।

रोहद टोल की घटनाः कार की टक्कर के बाद घसीटने से टोलकर्मी की मौत

सूचना पाकर आसौदा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। रोहित की शिकायत पर आसौदा थाना पुलिस ने गाड़ी चालक पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है।

बहादुरगढ़। नेशनल हाइवे पर रोहद गांव में स्थित टोल प्लाजा पर शनिवार की अल सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां टोल शुल्क बचाने के लिए कार चालक ने पहले तो टोल कर्मियों से झगड़ा किया। फिर टोल कर्मी को टक्कर मारने के बाद बोनट पर काफी दूर घसीट ले गया। गंभीर चोट से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। यह घटना शनिवार की अल सुबह करीब तीन बजे हुई। दरअसल, रोहद का निवासी करीब 25 वर्षीय संजय यहां रोहद टोल पर सहायक की पोस्ट पर कार्यरत था। शुक्रवार रात ड्यूटी पर था। टोल कर्मी रोहित ने कहा है कि शनिवार की अल सुबह करीब तीन बजे रोहतक की तरफ से लाइन नंबर 13 पर बलेनो गाड़ी आई। गाड़ी पर फास्टैग नहीं था। टैक्स देने के लिए कहा तो बहसबाजी करने लगा। उसने शराब पी रखी थी और रुपये नहीं दिए। फिर गाड़ी रफ्तार के साथ भगा दी। इसी दौरान अचानक संजय गाड़ी के आगे आ गया। टक्कर लगने के बाद बोनट पर जा गिरा। चालक काफी दूर तक उसे घसीट ले गया। गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। फिर चालक निकलकर भाग गया। हमने घायल संजय को संभाला और रोहतक स्थित अस्पताल में ले गए। जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे में बाइक सवार की मौत

बहादुरगढ़। गांव टांडाहेड़ी में ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक की टक्कर हो गई। गंभीर चोट के चलते बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान 52 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई है। बेरी का रहने वाला था। बहादुरगढ़ की एमआईई में स्थित कंपनी में काम करता था। शुक्रवार शाम को ड्यूटी के बाद बाइक से घर जा रहा था। टांडाहेड़ी में पहुंचा तो आगे चल रहे ट्रैक्टर से बाइक टकरा गई।हादसे में उसे गंभीर चोट आई। मृतक के बेटे पारस ने शिकायत दी है कि ट्रैक्टर तीव्र गति में था। चालक ने अचानक ब्रेक लिए थे। इसी के चलते बाइक ट्रॉली से टकराई और जान चली गई। ट्रैक्टर चालक मांडोठी का रहने वाला है। पुलिस ने उस पर केस दर्ज किया है।

पार्किंग में खड़ी दो गाड़ियों से सात सौ लीटर डीजल चोरी

झज्जर। गांव दादरी तोए में ट्रांसपोर्टर द्वारा दो गाड़ियों से डीजल चोरी होने का मामला दर्ज कराया है। दादरी तोए निवासी रणबीर सिंह ने बताया कि उसने 26-27 फरवरी की रात गाड़ियां गांव की पार्किंग में खड़ी करा दी थी। सुबह जब उसने देखा तो उसकी दोनों गाड़ियों में करीब सात सौ लीटर डीजल चोरी हो गया था। रणबीर सिंह ने राह चलती गाड़ी चालक द्वारा गाड़ी रोककर डीजल चोरी का शक जताया है।

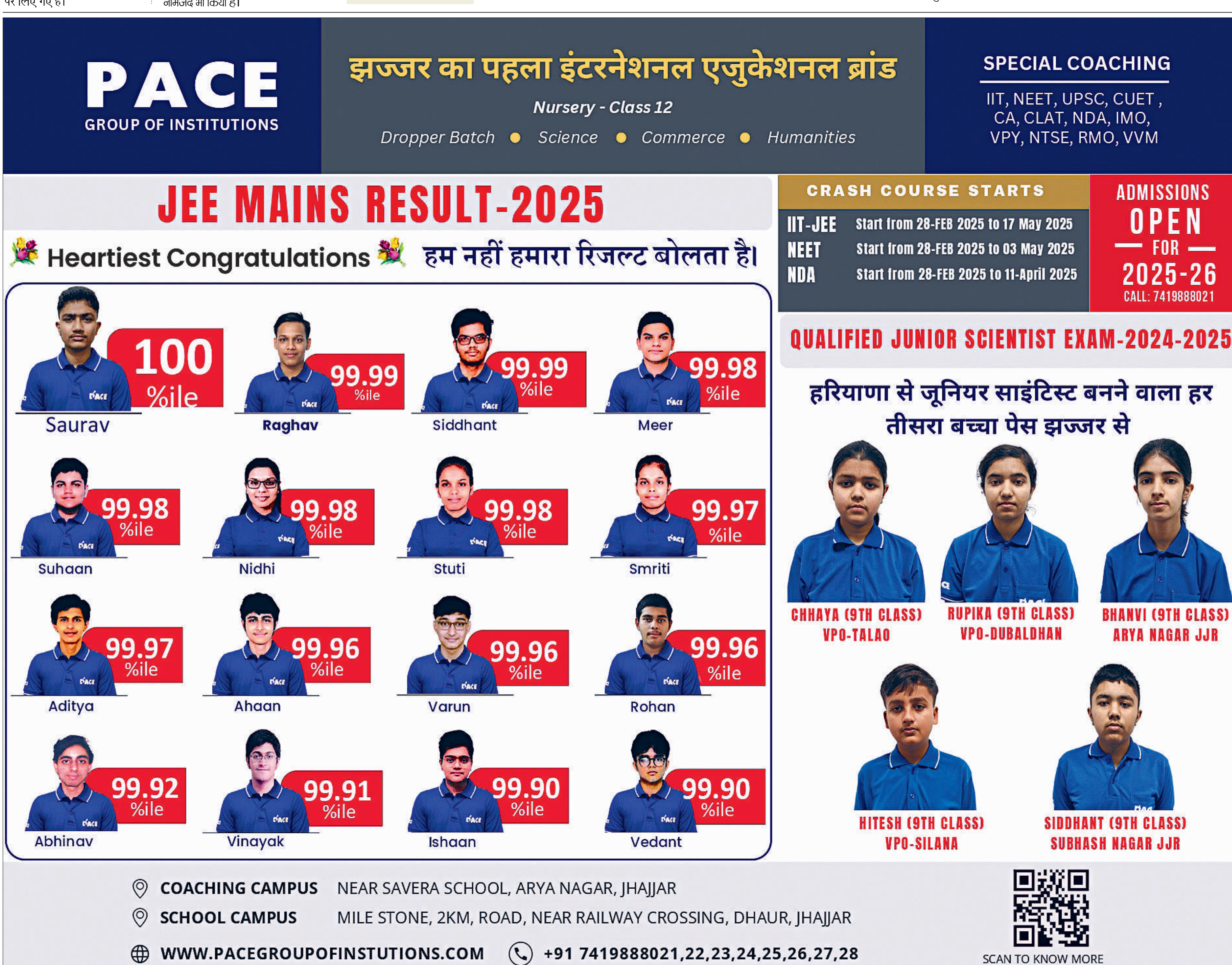

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh
ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ATTENTION
CLASS XI ASPIRANTS
Bright Future Begins Here
ADMISSIONS OPEN FOR CLASS XI
Ace Our Entrance Exam and Secure
EXCLUSIVE SCHOLARSHIPS
Last Date of Registration: 10th March 2025
Examination Date: 16th March 2025
Register Now!
Limited Seats Available
SCORE HIGH AND GET ATTRACTIVE SCHOLARSHIPS
Scan The QR Code Register Now.

ADMISSIONS NOW OPEN
Session 2025-26
Nursery - Grade IX
(Play Group Also Available)

EMPOWERING MIND, ENRICHING FUTURE
- Special Workshops and Sessions for CUET
- Experiential Learning
- Tech Driven Classrooms
- Fully Equipped Laboratories
- Healthy Student Teacher Ratio
- Fostering Future Leaders with Creativity and a Commitment to Excellence

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh
9549899503

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से

शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओजेंपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल
मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदनाओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकिय्यत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

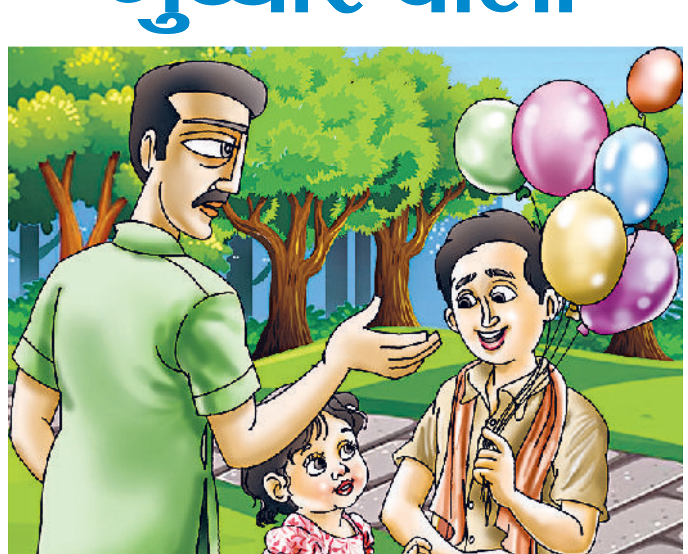

'बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

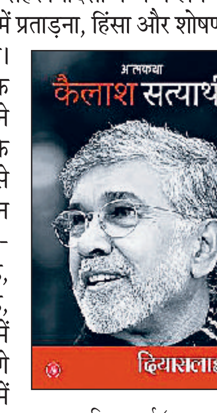

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

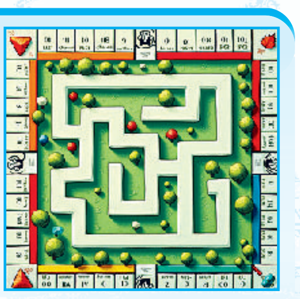

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव

समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

सिने-ट्रेंड

हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

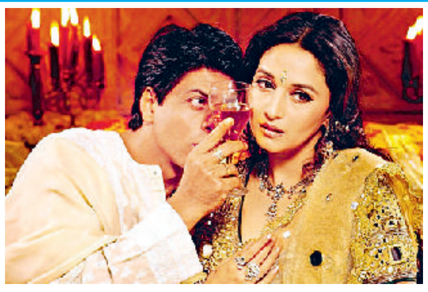

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी इसलिए ही होती है। लेकिन लगता है अब धीरे-धीरे ये फार्मूला भी दरकने लगा। क्योंकि, नई पीढ़ी को ऐसी प्रेम कथाएं रास नहीं आतीं।

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'

बदल रहे फिल्मों के विषय: लव स्टोरी बेस्ड फिल्मों के शानदार अतीत के बावजूद बीते कुछ सालों में आई कई फिल्मों के कथानकों में प्रेम नदारद था या न के बराबर था। यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *